पाठ-1

प्रार्थना

आइए सीखें : ● **प्रार्थना का सस्वर गायन** ● **सेवा, उपकार तथा बलिदान की प्रेरणा।** ● **समानार्थी शब्द** ● **शुद्ध वर्तनी का अभ्यास।**

वह शक्ति हमें दो दयानिधे,
कर्त्तव्य मार्ग पर डट जाएँ।
पर-सेवा, पर-उपकार में हम,
निज जीवन सफल बना जाएँ ॥

हम दीन-दुखी, निबलों-विकलों
के सेवक बन संताप हरें।
जो हैं अटके, भूले-भटके,
उनको तारें, खुद तर जाएँ ॥

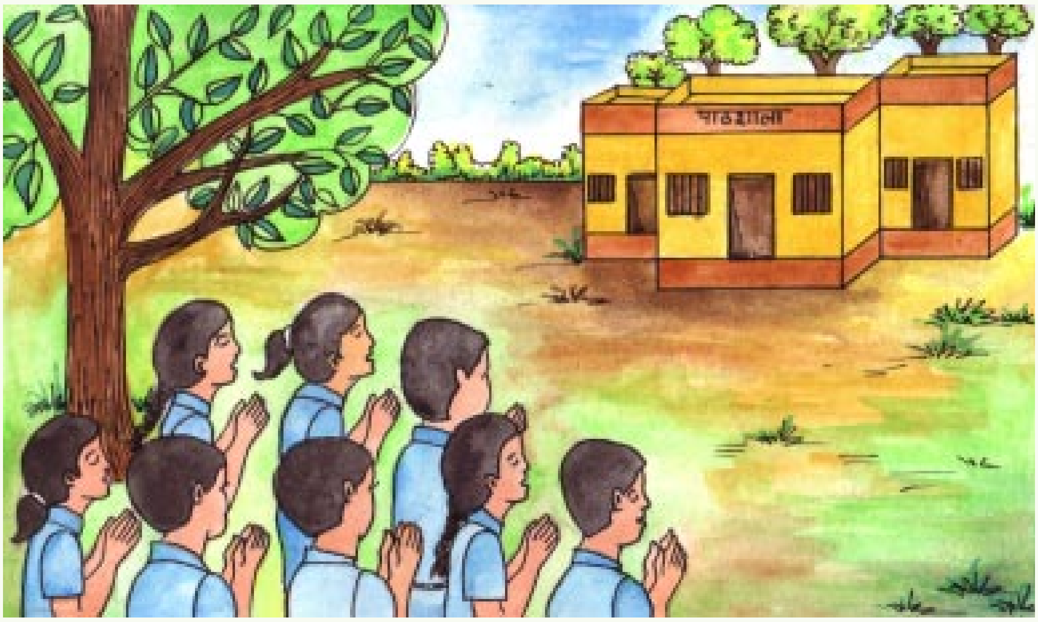

शिक्षण संकेत : ■ शिक्षक हाव-भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करें एवं छात्रों से भी करवाएँ। ■ कविता के कठिन शब्दार्थ एवं पंक्तियों का सरल अर्थ बच्चों को समझाएँ। ■ शिक्षक भाषा अध्ययन के प्रश्न हल करवाने में सहयोग करें।

छल, दंभ, द्वेष, पाखण्ड, झूठ,
अन्याय से निशिदिन दूर रहें।
जीवन हो शुद्ध सरल अपना,
शुचि प्रेम-सुधा रस बरसाएँ ॥

निज आन, मान, मर्यादा का,
प्रभु! ध्यान रहे, अभिमान रहे।
जिस देश-जाति में जन्म लिया,
बलिदान उसी पर हो जाएँ ॥

-मुरारीलाल बाल बंधु

शब्दार्थ

शक्ति	-	बल, सामर्थ्य	**दंभ**	-	घमंड
दयानिधे	-	ईश्वर, कृपा के समुद्र	**पाखंड**	-	झूठा, दिखावा
कर्त्तव्य	-	करने योग्य कार्य	**शुचि**	-	पवित्र
मार्ग	-	रास्ता	**सुधा**	-	अमृत
परसेवा	-	दूसरों की सेवा			

अभ्यास

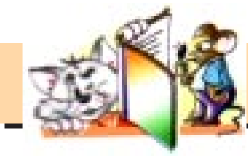

बोध प्रश्न

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**

क. प्रार्थना में किससे शक्ति माँगी गई है?

ख. हम अपने जीवन को किस प्रकार सफल बना सकते हैं?

ग. हमें किस प्रकार के व्यक्तियों की सेवा करनी चाहिए?

घ. हमें किन-किन बातों से दूर रहना चाहिए?

ङ. इस प्रार्थना में किन-किन बातों को करने पर बल दिया गया है?

2. **पाठ के अनुसार 'क' और 'ख' स्तम्भ में दिए गए शब्दों की सही जोड़ी बनाकर लिखिए -**

'क'	'ख'	
कर्त्तव्य	**सफल**	**कर्तव्य मार्ग**
पर	विकलों	....
जीवन	भटके	....
निबलों	सुधा	....
भूले	मार्ग	....
प्रेम	सेवा	....

3. **निम्नलिखित भाव 'प्रार्थना' की जिन पंक्तियों में आए हैं उन्हें लिखिए।**

क. हमने जिस देश में जन्म लिया है, उस पर न्यौछावर हो जाएँ।

....

ख. हम दीन-दुखियों के सेवक बनकर उनके दुख दूर करें।

....

ग. हमारा जीवन शुद्ध और सरल बने।

....

घ. हे प्रभु हम अपनी आन, मान और मर्यादा का ध्यान रखे और उस पर गर्व कर सकें।

....

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए।

शक्ति, कर्त्तव्य, द्वेष, शुद्ध, मर्यादा, शुचि।

यह भी जानिए-

इन शब्दों का उच्चारण कीजिए और अन्तर समझिए-

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
करम	कर्म	दरशन	दर्शन
परगट	प्रगट	परभू	प्रभु
कारन	कारण	गुन	गुण
हिरदय	हृदय	किरपा	कृपा
पढना	पढ़ना	कुढना	कुढ़ना

2. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए-

प्रारथना	प्रार्थना	परेम	....
करतवय	....	सूधा	....
जिवन	....	धयान	....
दूखी	....	बलीदान	....

योग्यता विस्तार

- प्रतिदिन अपने विद्यालय में प्रार्थना का सस्वर सामूहिक गायन करें।
- इसी प्रकार की अन्य प्रार्थना याद कीजिए और कक्षा में सुनाइए।